Phone: (0294) 2471969/2470707 Ext: 3110,3111
Email: dpsmlsu@gmail.com

POSTGRADUATE STUDIES

Mohanlal Sukhadia University
UDAIPUR – 313 039 (Raj)

Prof Seema Malik
Dean

As per the decision of the Academic Council dated 04.06.2016 directions for the Ph.D. thesis documentation are hereby being uploaded for the research scholars who will henceforth submit their thesis through Hindi medium.

It may please be noted that the candidates have to submit their thesis in Unicode.

हिन्दी शोध संदर्भीकरण दिशा निर्देश

1. दिशा निर्देश हिन्दी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में पंजीकृत शोधार्थियों के शोध प्रबंध, साहित्य समीक्षा, शोध रूपरेखा, प्रतिवेदन, शोध लेख आदि पर प्रभावी होंगे।

2. दिशा निर्देशों में हिन्दी में सामान्यतः प्रचलित संदर्भीकरण संबंधी नियमों को युक्तिसंगत और एकरूप किया गया है।

3. दिशा निर्देशों में प्रयुक्त **शोध कार्य** का अर्थ- शोध प्रबंध, साहित्य समीक्षा, रूपरेखा आदि है।

4. दिशा निर्देशों की अनुपालना हिन्दी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर अपने स्तर पर सुनिश्चित करेगा।

5. **शोध कार्य में संदर्भीकरण (सामान्य नियम)**

   5.1 पुस्तक/ पत्रिका का उल्लेख सभी स्थानों पर ***इटेलिक*** में होगा। कविता और कवितांश भी ***इटेलिक*** में ही दिए जाएंगे। उद्धृत गद्यांश **डबल इनवर्टेड (“ ”) कोमा** में ही रहेंगे।

   5.2 संदर्भ में नामों से पूर्व प्रयुक्त **आचार्य, डॉक्टर** आदि पदनामों का उल्लेख नहीं किया जाएगा। जैसे- **आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी** के स्थान पर केवल **हजारीप्रसाद द्विवेदी** लिखा जाएगा।

   5.3 नाम हिन्दी की प्रकृति के अनुसार यथावत लिखे जाएंगे। अर्थात अंग्रेजी की तरह जाति या उपनाम मुख्य नाम से पहले नहीं लिखा जाएगा।

उदाहरण- **विद्यानिवास मिश्र** को **मिश्र विद्यानिवास** नहीं लिखा जाएगा।

5.4 फुटनोट के लिए एमएस-वर्ड में उपलब्ध फुटनोट विकल्प का प्रयोग किया जाएगा।

5.5 वेबसाइट संबंधी लिंक अंग्रेजी या मूल भाषा में यथावत में दिए जाएंगे।

उदाहरण- http://jaipurliteraturefestival.org/

5.6 अंग्रेजी या अन्य भाषा के मूल ग्रंथों के नाम सभी स्थानों पर मूल के अनुसार देवनागरी लिपि में लिखे जाएंगे। उदाहरण- ***एनल्स एंड एंटिक्विटीज ऑफ राजस्थान***

5.7 अनूदित ग्रंथों का उल्लेख हिन्दी अनुवाद के नाम के अनुसार किया जाएगा और संदर्भ में उसके अनुवादक का उल्लेख भी अपेक्षित है। उदाहरण- ***पश्चिमी भारत की यात्रा*** **(अंग्रेजी से अनुवाद: गोपालनारायण बहुरा)**

5.8 अंकों (1,2,3) का अंतरराष्ट्रीय मानक रूप ही प्रयुक्त किया जाएगा।

5.9 लेखक का नाम यदि सामग्री में प्रयुक्त हुआ है, तो पृष्ठांत में संदर्भ या फुटनोट में उसकी आवृत्ति नहीं होगी।

5.10 किसी संदर्भ की तत्काल बाद यथावत आवृत्ति की स्थिति में केवल **वही** का प्रयोग किया जाएगा। आवृत्ति के अतिरिक्त सूचनाएं, यदि अपेक्षित हों तो, जोड़ी जाएंगी। उदाहरण- **वही, पृ. 371**

5.11 किसी पुस्तक के एकाधिक लेखक/संपादक होने की स्थिति में दो का उल्लेख किया जाएगा तथा शेष के लिए आदि लिखा जाएगा।

5.12 संदर्भित पुस्तक के पहले संस्करण के वर्ष का उल्लेख होगा। वर्ष के आगे 'प्रथम संस्करण' नहीं लिखा जाएगा। द्वितीय और आगे के संस्करणों का वर्ष सहित उल्लेख होगा। उदाहरण- **द्वितीय संस्करण, 2016**

5.13 एक साथ एकाधिक संदर्भों की स्थिति में इनको, दो होने पर **'एवं'** और दो से अधिक होने 'अर्ध विराम' **(;)** से विभक्त किया जाएगा। अंतिम संदर्भ से पहले 'अर्ध विराम' के स्थान पर **'एवं'** का प्रयोग अपेक्षित है।

उदाहरण- रणछोड़ भट्ट : *राजप्रशस्तिमहाकाव्यम्,* साहित्य संस्थान, राजस्थान, विद्यापीठ, उदयपुर, 1973, पृ. 371; श्यामलदास : *वीर विनोद* (प्रथम भाग), मोतीलाल

बनारसीदास, दिल्ली, 1986 एवं सदाशिव : *राजरत्नाकरमहाकाव्य,* राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर, 2000, पृ. 37

5.14 संपूर्ण ग्रंथ या पुस्तक का संदर्भ **देखिए-** अंकित कर उसके आगे अनुच्छेद 6 एवं 7 के अनुसार, जो भी अपेक्षित है, विवरण दिया जाएगा। इस तरह के संदर्भ में पृष्ठ संख्या का उल्लेख नहीं होगा।

उदाहरण- देखिए- धर्मपाल शर्मा: *मेवाड़ की संस्कृति और परंपरा,* प्रताप शोध प्रतिष्ठान, उदयपुर, 1999 एवं श्यामल्दास : *वीर विनोद* (प्रथम भाग), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1986

5.15 शोध ग्रंथ में, यदि अपेक्षित हो तो, चित्र यथास्थान ही दिए जाएंगे।

5.16 शोध लेख, साक्षात्कार आदि शोधप्रबंध के अंत में परिशिष्टों के रूप में दिए जाएंगे।

5.17 ग्रंथ सूची में, यदि अपेक्षित हो तो, अंग्रेजी के ग्रंथों को अंग्रेजी वर्ण क्रम से ही दिया जाएगा।

5.18 आधार ग्रंथ सूची में लेखक के समस्त ग्रंथ दिए जाएंगे और जहां अपेक्षित है, इनको कविता, कहानी, उपन्यास आदि में वर्गीकृत किया जाएगा।

5.19 शोध प्रबंध में प्रयुक्त उद्धरणों को कहीं भी **बोल्ड** नहीं किया जाएगा।

5.20 संदर्भ में वांछित जानकारी की अनुपलब्धता की स्थिति में कोष्ठक में **(अनुपलब्ध)** अनुपलब्धता का उल्लेख अपेक्षित है।

6. शोध कार्य में सामान्य संदर्भीकरण पद्धति

6.1 पुस्तक (पहला संस्करण)

लेखक : *पुस्तक का नाम*, प्रकाशक, प्रकाशन वर्ष, पृ. (पृष्ठ संख्या)

उदाहरण- हजारीप्रसाद द्विवेदी : *हिंदी साहित्य की भूमिका,* राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1991, पृ. 30

6.2 पुस्तक (पहले के बाद का संस्करण या आवृत्ति या पैपरबेक संस्करण)

लेखक : *पुस्तक का नाम*, प्रकाशक, संस्करण सहित प्रकाशन वर्ष, पृ. (पृष्ठ संख्या)

उदाहरण- अनामिका : *स्त्रीत्व का मानचित्र*, सारांश प्रकाशन प्रा. लि., दिल्ली, पेपरबैक संस्करण, 2001, पृ. 164

उदाहरण-अनामिका :*स्त्रीत्व का मानचित्र*, सारांश प्रकाशन प्रा. लि., दिल्ली, तृतीय संस्करण, 2001, पृ. 164

6.3 संपादित पुस्तक

संकलित आलेख के लेखक का नाम : 'संकलित आलेख का शीर्षक', *संपादित पुस्तक का नाम* (संपादक का नाम), प्रकाशक, प्रकाशन वर्ष, पृ. (पृष्ठ संख्या)

उदाहरण-गोपीनाथ शर्मा : 'राजस्थान', *दिल्ली सल्तनत* (सं. मोहम्मद हबीब एवं खलिक अहमद निजामी), मैकमिलन प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1978, पृ. 61

6.4 अनूदित पुस्तक

मूल लेखक का नाम : *पुस्तक का नाम* (मूल भाषा से अनुवाद का उल्लेख : अनुवादक का नाम), प्रकाशक, प्रकाशन वर्ष, पृ. (पृष्ठ संख्या)

उदाहरण- कुमकुम संगारी : *मीराबाई की भक्ति और आध्यात्मिक अर्थनीति* (अंग्रेजी से अनुवाद : अनुपमा गुप्ता), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012, पृ. 45

6.5 पत्र-पत्रिका

संकलित आलेख के लेखक का नाम : 'संकलित आलेख का शीर्षक', *पत्रिका का नाम* (अंक), प्रकाशन माह और वर्ष, पृ. (पृष्ठ संख्या)

उदाहरण- आर्यंक गुहा : 'एक भारतीय चित्रकथा का किताब बनना', *शिक्षा विमर्श* (अंक-17), सितंबर-अक्टूबर, 2009, पृ. 30

6.6 पुरानी पुस्तक का नया संस्करण

लेखक : *पुस्तक का नाम*, प्रकाशक, नए संस्करण का प्रकाशन वर्ष (पहले संस्करण का प्रकाशन वर्ष), पृ. (पृष्ठ संख्या)

उदाहरण- गौरीशंकर हीराचंद ओझा : *उदयपुर राज्य का इतिहास*, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर, 1996-97 (प्र.सं.1928), पृ. 68

6.7 प्राचीन ग्रंथ (जिनमें लेखक का नाम शीर्षक में सम्मिलित है)

लेखक सहित *पुस्तक का नाम* (संपादक का नाम), प्रकाशक, प्रकाशन वर्ष, पृ. (पृष्ठ संख्या)

उदाहरण- जिनेश्वरसूरिविरचित *कथाकोषप्रकरण* (सं. आचार्य जिनविजय मुनि), भारतीय विद्या भवन, मुम्बई, 1950, पृ. 67

6.8 अप्रकाशित शोध प्रबंध

शोधार्थी का नाम : *शोध प्रबंध का नाम, (पीएच.डी या अन्य शोध उपाधि के लिए प्रस्तुत अप्रकाशित शोध प्रबन्ध),* विश्वविद्यालय का नाम, वर्ष, पृ. (पृष्ठ संख्या)

उदाहरण- अरुणा गुर्जर : *बगड़ावत लोक गाथा : एक अध्ययन* (पीएच.डी उपाधि के लिए प्रस्तुत अप्रकाशित शोध प्रबन्ध), मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, 2015, पृ. 67

6.9 पांडुलिपि

पांडुलिपि का नाम, ग्रंथांक, ग्रंथागार/ संग्रहालय का नाम का नाम एवं स्थान, पृ. (पृष्ठ संख्या)

उदाहरण- *उदयभाण चांपावत री ख्यात*, ग्रंथांक-15675, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर, पृ. 574

6.10 फिल्म

फिल्म का नाम : (निर्देशक का नाम) द्वारा निर्देशित, (अभिनेताओं के नाम) द्वारा अभिनीत एवं (निर्माता का नाम) द्वारा निर्मित फिल्म), वर्ष

उदाहरण- *वजीर* : बिजॉय नम्बियर द्वारा निर्देशित, रणवीरसिंह, दीपिका पादुकोण, प्रियंका चोपड़ा आदि द्वारा अभिनीत एवं विधु विनोद चोपड़ा द्वारा निर्मित फिल्म), 2016

6.11 समाचार पत्र

लेखक : 'संकलित लेख/समाचार/ टिप्पणीआदि का शीर्षक', *समाचार पत्र का नाम* (संस्करण), तिथि, माह, वर्ष, पृ. (पृष्ठ संख्या)

उदाहरण- निर्मल रानी : 'बुलेट ट्रेन से पहले', *जनसत्ता* (नयी दिल्ली संस्करण), 9 जनवरी, 2016, पृ. 6

6.12 टेलीविज़न / रेडियो प्रसारण

सहभागी/ सहभागियों के नाम : *टी.वी / रेडियो कार्यक्रम का नाम*, प्रसारण संस्था/चैनल का नाम, समय, प्रसारण तिथि

उदाहरण- नामवर सिंह एवं मदन कश्यप : *सबद निरंतर* (सुबह सवेरे), दिल्ली दूरदर्शन, प्रातः 8 बजे, 12 नवम्बर, 2015

6.13 साक्षात्कार

साक्षात्कार देने वाले नाम : 'साक्षात्कार का शीर्षक' (साक्षात्कारकर्ता का नाम) *पत्र/पत्रिका/ पुस्तक का नाम*, प्रकाशन का माह और वर्ष, प्रकाशक (पुस्तक हो तो), पृ. (पृष्ठ संख्या)

उदाहरण- रामविलास शर्मा : साहित्य की बुनियाद मजबूत बने' (साक्षात्कारकर्ता : नरेश शर्मा), *तद्भव*, जनवरी-मार्च, 2015

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : 'निराला जी से बातचीत' (साक्षात्कारकर्ता : पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश'), *मैं इनसे मिला* (सं. पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश'), वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1996 (प्र.सं.1952), पृ. 43

6.14 ग्रंथावली

ग्रंथावली का नाम (संपादक), भाग/खंड (कुल खंड), प्रकाशक, प्रकाशन वर्ष, पृ. (पृष्ठ संख्या)

उदाहरण- *धर्मवीर भारती ग्रंथावली* (सं. चंद्रकांत बांदिवडेकर), खंड-2 (कुल खंड-9), वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, द्वितीय संस्करण, 2007, पृ. 75

(यदि लेखक/कवि का नाम ग्रंथावली के शीर्षक में सम्मिलित नहीं तो ग्रंथावली के नाम से पूर्व लेखक/कवि का नाम लिखा जाएगा |)

6.15 पुस्तक समीक्षा

समीक्षक का नाम, 'समीक्षा का शीर्षक' (समीक्षित पुस्तक के लेखक नाम और *पुस्तक का नाम* की समीक्षा), *पत्रिका का नाम*, माह, वर्ष, पृ. (पृष्ठ संख्या)

उदाहरण- बलवीर सिंह करुण, 'सावचेत करती कविताएं' (कमलकान्त शर्मा की पुस्तक *जो बोया है* की समीक्षा), *मधुमती*, जनवरी, 2015, पृ. 32

6.16 व्याख्यान

व्याख्यानकर्ता का नाम : 'व्याख्यान का शीर्षक', तिथि, आयोजक संस्था का नाम

उदाहरण- नामवर सिंह : 'भारतीयता की अवधारणा', 26 सितम्बर, 2013, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

6.17 संगोष्ठी में पठित आलेख का प्रकाशित शोध सार

लेखक : 'सार-संक्षेप का शीर्षक', *संगोष्ठी का विषय* (आयोजक संस्था का नाम, तिथि वर्ष आदि), पृ. (पृष्ठ संख्या)

उदाहरण- योजना कालिया : 'समकालीन मीडिया लेखन में बदलती स्त्री छवि', *स्त्रीवादी लेखन : साहित्य मीडिया और समाज* (यूजीसी महिला अध्ययन केन्द्र, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा 28 फरवरी, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पठित आलेखों का सार-संक्षेप) पृ. 56

7. शोध प्रबंध में संदर्भीकरण और ग्रंथसूची पद्धति

7.1 शोध प्रबंध में संदर्भ **पाद टिप्पणी (फुटनोट)** के रूप में उसी पृष्ठ के अंत में दिया जाएगा। इसके लिए **एमएस वर्ड** में उपलब्ध विकल्प **फुटनोट** का प्रयोग किया जाएगा।

7.2 फुटनोट में संदर्भ संक्षिप्त होगा।

उदाहरण- **देवीप्रसाद: *मीरांबाई का जन्म चरित्र*, पृ. 75**

संदर्भित ग्रंथ के प्रकाशक, प्रकाशन वर्ष आदि की जानकारी विस्तार से ग्रंथसूची में दी जाएगी।

उदाहरण- **देवीप्रसाद: *मीरांबाई का जन्म चरित्र*, बंगीय साहित्य परिषद, कोलकाता, 1954**

7.3 शोध प्रबंध के अंत में संबंधित भाषा के वर्ण क्रम अनुसार ग्रंथसूची सम्पूर्ण विवरण सहित दी जाएगी।

7.4 ग्रंथ सूची को, जहां अपेक्षित है, **आधार** और **सहायक ग्रंथों, पत्र-पत्रिकाओं** और **कोश** ग्रंथों में वर्गीकृत किया जाएगा। सूचीकरण इनकी भाषा के वर्ण क्रम अनुसार किया होगा।

7.5 **वेब, फिल्म** आदि स्रोतों का उल्लेख, यदि अपेक्षित हो, तो ग्रंथ सूची के बाद संबंधित भाषा के वर्ण क्रम के अनुसार सूचीकरण किया जाएगा।

7.6 ग्रंथ सूची में वे ही ग्रंथ सम्मिलित किए जाएंगे, जिनका उपयोग शोधप्रबंध के फुटनोट या उसमें अन्यथा कहीं हुआ हो।

7.7 ग्रंथ सूची में पत्रिकाओं की सूची में वर्ण क्रम के अनुसार पत्रिका का नाम, संपादक का नाम और प्रकाशन स्थान का उल्लेख अपेक्षित है। उदाहरण- ***आलोचना* (सं. नामवरसिंह), नयी दिल्ली**